

This question paper contains 3 printed pages]

YQ—21—2024

FACULTY OF ARTS

M.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

NOVEMBER/DECEMBER, 2024

HINDI

Paper IX

(आधुनिक कविता - भाग-1)

(Tuesday, 10-12-2024)

Time : 2.00 p.m. to 5.00 p.m.

Time—3 Hours

Maximum Marks—75

N.B. :- (1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) “नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अधखुला अंग।

10

खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघबन बीच गुलाबी रंग॥

जिसे तुम समझे हो अभिशाप जगत की ज्वालाओं का मूल।

ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल॥”

अथवा

“हम कौन थे, क्या हो गए हैं, जान लो इसका पता,

जो थे कभी गुरु, है न उनमें शिष्य की भी योग्यता!

जो थे सभी से अपगामी, आज पीछे भी नहीं,

है दीखती संसार में विपरीतता ऐसी कहीं ?”

P.T.O.

- (आ) “नारी! तुम केवल श्रद्धा हो,
विश्वास रजत-नग-पग तल में।
पीयूष-स्रोत सी बहा करो,
जीवन के सुंदर समतल में।”

अथवा

“अबे सुन बे गुलाब,
भूल मत गर पाई खुशबू रंगोआब
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है कैपीटलिस्ट
कितनों को तूने बनाया है गुलाम।
माली कर रखा, सहाया जाड़ा धाम॥”

2. ‘‘भारत-भारती’ एक उद्बोधनात्मक काव्य है।’ इस कथन की समीक्षा कीजिए। 20

अथवा

निराला की ‘कुकुरमुत्ता’ कविता सर्वहारा वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाली कविता है। विशद कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

- (अ) ‘कामायनी’ में रूपक तत्व। 10

अथवा

‘कुकुरमुत्ता’ का यथार्थवाद।

- (आ) ‘कामायनी’ की श्रद्धा। 10

अथवा

‘भारत-भारती’ में राष्ट्रीय चेतना।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग **पंद्रह-बीस** पंक्तियों में लिखिए : 5
- भारतेंदु हरिश्चंद्र का जीवन परिचय लिखिए।
 - 'सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के चितरे कवि हैं।' विशद कीजिए।
 - सुभद्राकुमारी चौहान के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।
 - महादेवी वर्मा के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट कीजिए।
5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** पूर्ण वाक्य में लिखिए : 5
- हिंदी की आधुनिक मीरा किसे कहा जाता है ?
 - 'भारत-दुर्दशा' किसकी रचना है ?
 - सुमित्रानंदन पंत का जन्म कहाँ हुआ है ?
 - 'वैदेही वनवास' के रचनाकार कवि कौन हैं ?
 - 'झाँसी की रानी' किसकी प्रसिद्ध कविता है ?
- (आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5
- भारतेंदु हरिश्चंद्र के पिता का नाम था।
 - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का प्रसिद्ध महाकाव्य है।
 - सुमित्रानंदन पंत की ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त रचना है।
 - 'त्रिधारा' यह कविता संग्रह का है।
 - 'चाँद' मासिक पत्रिका का सम्पादन ने किया है।